पोलियो

पोलियो यह संसर्गजन्य विषाणूयुक्त बिमारी मानी जाती है । जिसके कारण संपूर्ण धमनियोंपर आक्रमण होता है ।एवं कुछ ही घंटो मे अपंगत्व हो जाता है । इस विषाणू का प्रस्तर मुख्य रुपसे व्यक्ति से व्यक्ति मुख्यतः मूलभूत उत्सर्जन मार्ग से होता है । अथवा अनियमित प्रसार जैसे दुषित अन्नपदार्थ अथवा दुषित जल ऐसे जीवाणू छोटी आंत मे तीव्र गतिसे बढते है । तथापि ऐसे रोग के लक्षण जैसे बुखार थकावट सिरदर्द, उल्टियाँ गर्दन मे कडकपन एवं शरीरदर्द प्रमुख है २०० मे एक रोगी को पैरो मे स्थायी अपंगत्व होता है ।इसमे थी ५ से ७ प्रतिशत रोगी जिसकी श्वास क्रिया अकार्यक्षम होते जाती है जिससे मृत्यु हो जाती है ।

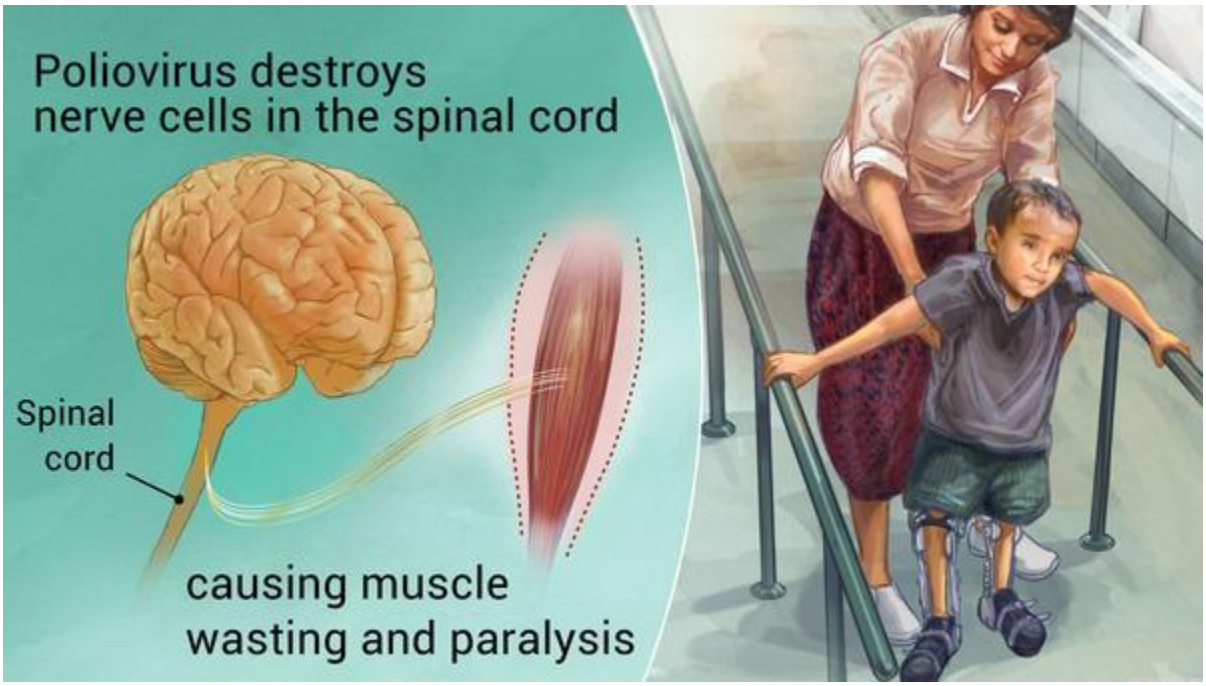

ईलाज:

पोलियो ठीक होने हेतू कोई उपाय नही । वह केवल टाला जा सकता है ।पोलियो का लसीकरण अनेक बार किए जाने से बालक का रक्षण किया जा सकता है ।

पोलियो टीका:

OPV(Oral Polio Vaccine) मुखमार्ग से दिया जानेवाला पोलियो टीका IPV (Interacted Polio Vaccine) निष्क्रिय पोलियो टीका के अनेक लाभ है। पोलियो निर्मुलन हेतू यह दोनो प्रकार के टीके अत्यंत उपयोगी है, क्यों की OPV से व्यक्तीगत एवं सामुदायिक संरक्षण मिलता है ।विषाणू का संक्रमण रोकने हेतू OPV अत्यंत महत्वपूर्ण होता है । IPV यह OPV के उपयोग पूर्व की तैय्यारी होती है । तदहेतू पोलियो निर्मुलन हेतू अत्यंत आवश्यक होती है ।

पोलियो निर्मुलन कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व के सभी देशो मे OPV का उपयोग बंद होगा । तब IPV का उपयोग कर जनसामान्य मे प्रतिकारात्मक शक्ति बढाई जाएगी तथापि विश्व पोलियो मुक्त होगा।

	OPV मुखमार्ग लेनेवाला टीका	**IPN निष्क्रिय किया गया टीका**
मुख्य घटक	जिंदे क्षीण हो चुके पेालियो विषाणू ट्रायबॅलेन्ट OPV तीनों प्रकार के पोलियो विषाणू बायबॅलन्ट OPV प्रकार १ व ३ मोनोवॅलन्ट OPV कोई भी एक प्रकार का पोलियो विषाणू	तीनो प्रकार के मृत एवं निष्क्रिय किए हुए पोलियो विषाणू
कैसे कार्य करते है	शरीर मे रक्त के धब्बे तैय्यार होते है । तथापि क्षीण पडे विषाणुओ को उत्कृष्ट प्रतिसाद मिलता है । पेट मे विषाणुओ की संख्या दो गुनी होने की क्षमता को नियंत्रित करता है, जिससे अन्यों को संसर्ग फैलता नही है।	शरीर मे रक्त के धब्बे निर्माण होते है। जो निष्क्रिय हुए विषाणुओ को प्रतिसाद देते है। व्यक्ती की रक्षा होती है फिर भी पेट मे विषाणुओं की दो गुनी वृध्दी होती है । जिससे अन्यों मे फैल सकता है।
व्यवस्थापन	अत्यंत सुलभ कार्यकर्ताओं की सहाय्यता से नियमित टीकाकारण कार्यक्रम का आयोजन कर पोलियो निर्मुलन किया जा सकता है ।	प्रशिक्षित स्वास्थ व्यवसायी के माध्यम से इंजेक्शन देकर पोलियो निर्मुलन कार्यक्रम चलाया जा सकता है।

महत्व की वास्तविकता:

- पोलियो मुख्य रुपसे पाँच वर्षों से कम उम्र के बालको मे होता है ।
- २०० व्यक्तीयों मे से एक को हुआ पोलियो कायम स्वरुप से रहता है ऐसे मे ५ से १० प्रतिशत पोलियोग्रस्त श्वसनमार्ग मे निष्क्रियता आने से मृत्युमुखी होते है।
- १८८८ से ९९% पोलियो रोग मे कमी आयी है ऐसा माना जाता है की ३,५०,००० व्यक्ती इस रोग से ग्रस्त होंगे किंतु केवल ३७ व्यक्तीयों मे ही यह रोग पाया जाता है विश्व स्तर पर पोलियो निर्मुलन अभियान चलाए जाने से करीब करीब १६ करोड व्यक्तीयों को इस अपंगत्व रोग से बचाया जा सका है ।
- विश्व मे एक भी बालक पोलियोग्रस्त पाया गया तो अनेक बालकों को धोखा है पोलियो निर्मुलन कार्यक्रम के अमलीकरण मे ढील बरते जाने से आनेवाले दस वर्षो मे २००००० नए रोगी बन सकते है ।
- अधिकतर देशो मे विश्व के अने क देशों के सहयोग से अन्य ऐसे संसर्गजन्य रोगों पर मात दी जा सके तदहेतु परिणामकारक सर्वेक्षण तथापि प्रतिकारात्मक शक्ति मे वृध्दी के अनकों उपाय किए जा रहे है ।

Reference : www.who.nic.in